

होसबोले के बाद अब उपराष्ट्रपति ने आगे बढ़ाई बहस संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए शब्द नासूर

नई दिल्ली, 28 जून (देशबन्धु) । संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवाद' शब्द जोड़ने को लेकर जो बहस शुरू की अब देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उसको और आगे बढ़ा दिया है। उपराष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति ने कहा कि आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में जो शब्द जोड़े गए, वे नासूर हैं। सनातन की आत्मा के साथ किया गया एक पवित्र अपमान है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा किसी भी संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा होती है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना अद्वितीय है। भारत को छोड़कर दुनिया के किसी भी देश की संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ है, और क्यों? प्रस्तावना अपरिवर्तनीय है। प्रस्तावना आधार है जिस पर पूरा संविधान टिका है। यह उसकी बीज-रूप है। यह संविधान की आत्मा है। लेकिन भारत की इस प्रस्तावना को 1976 में 42वें



संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदल दिया गया 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' जैसे शब्द जोड़े गए।

डॉ.अंबेडकर ने अत्यंत परिश्रम से यह कार्य किया

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें आत्मचिंतन करना चाहिए डॉ.अंबेडकर ने अत्यंत परिश्रम से यह कार्य किया। उन्होंने अवश्य ही इस पर गहराई से विचार किया होगा। हमारे संविधान निर्माताओं ने प्रस्तावना को सही और उचित समझ कर जोड़ा था। लेकिन

- भारत को छोड़कर दुनिया के किसी भी देश की संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ
- ऐसे समय बदला गया जब लोग बंधन में थे
- सनातन की आत्मा के पवित्र अपमान बताया

इस आत्मा को ऐसे समय बदला गया जब लोग बंधन में थे। भारत के लोग, जो सर्वोच्च शक्ति का स्रोत हैं वे जेलों में थे, न्याय प्रणाली तक पहुंच से वंचित थे। मैं 25 जून 1975 को लागू किए गए 22 महीनों के आपातकाल की बात कर रहा हूँ। तो यह कितना बड़ा न्याय का उपहास है। पहले हम उस चीज को बदलते हैं जो 'अपरिवर्तनीय' है जो 'हम भारत के लोग' से उत्पन्न होती है और फिर उसे आपातकाल के दौरान बदल देते हैं। जब हम भारत के लोग पीड़ में थे हृदय से, आत्मा से वे अधिकार में जी रहे थे।

छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं, भाजपा-कांग्रेस अंदर से एक : मायावती

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आपातकाल के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने देश में संविधान के मूल स्वरूप में बदलाव की कोशिशों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बसपा ऐसे किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध करेगी और जरूरत पड़े तो सड़कों पर आंदोलन भी किया जाएगा। मायावती ने कहा कि

कांग्रेस और बीजेपी दिखावे में एक-दूसरे के विरोधी हो सकते हैं, लेकिन असलियत में दोनों संविधान संशोधन के मामलों में एकजुट हैं। आज कांग्रेस और बीजेपी अंदर ही अंदर एक हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में से 'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्षता' जैसे शब्दों को हटाने की कोशिशें हो रही हैं, जो देश के लोकतांत्रिक ढांचे और बहुलतावादी समाज के लिए खतरनाक संकेत हैं। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं।

सार संक्षेप

ठकरे ब्रदर्स को मिला शरद पवार का समर्थन

नागपुर । 'हिंदी' के खिलाफ महाराष्ट्र में उद्भव और राज ठाकरे को अब शरद पवार की पार्टी का समर्थन मिल गया है। एनसीपी-एससीपी (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी - शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने स्पष्ट किया कि 5 जुलाई को मार्च में उनकी पार्टी शामिल होने वाली है। सुप्रिया ने कहा कि भाषा और शिक्षा का विषय सिर्फ राजनीति नहीं है, बल्कि ये एक बहुत ही महत्वपूर्ण सामाजिक और शैक्षणिक मुद्दा है।

इंदिरा गांधी ने बदला था, संविधान का मूल ढांचा: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आपातकाल के दौरान एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि इससे साबित होता है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान के मूल ढांचे से छेड़छाड़ की थी और यह कांग्रेस के मुंह पर एक तमाचा है। भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद सबित पात्रा ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, आज जो हमारे ऊपर आरोप लगाते हैं कि हम संविधान बदलना चाहते हैं। उनके मुंह पर यह 'एक तमाचा' है।'

आईपीएस अधिकारी पराग जैन रॉ प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी पराग जैन को रिसर्व एंड एनालिसिस विंग (रॉ) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। वह मौजूदा रॉ प्रमुख रवि सिन्हा का स्थान लेंगे जिनका कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है। कार्मिक, जन शिकायत और पेंशन मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पंजाब कैडर के 1989 बैच के अधिकारी श्री जैन को केबिनेट सचिवालय के अंतर्गत आने वाले रॉ का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

तीन श्रीलंकाई नागरिक गिरफ्तार

रामेश्वरम। भारतीय तटरक्षक बल ने शनिवार को तमिलनाडु के धनुषकोटी के पास तीन श्रीलंकाई नागरिकों को गिरफ्तार किया। इन पर आरोप है कि ये अवैध रूप से भारत में घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे थे।

अंतरिक्ष से भारत भव्य दिखता है : शुभांशु

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक्सिसम मिशन 4 पर गए भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से वीडियो कॉल पर बातचीत की। प्राइम मिनिस्टर ऑफिस ने शनिवार शाम 5.49 बजे इस बातचीत का वीडियो जारी किया। दोनों के बीच 18 मिनट 25 सेकंड बातचीत हुई। शुभांशु ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा- अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। हम दिन में 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला से पूछा कि आप गाजर का



हलवा लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए हैं। क्या आपने अपने साथियों को खिलाया। इस पर शुभांशु

■ प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए शुभांशु से की बात

ने कहा कि हां साथियों के साथ बैठकर खाया। भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु दो दिन

पहले 26 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे हैं। वे 41 साल बाद स्पेस में जाने वाले भारतीय हैं। वे एक्सिसम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे सभी एस्ट्रोनाट के साथ आईएसएस के लिए रवाना हुए थे।

आईएसएस पर 7 प्रयोग करेंगे

शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में 14 दिनों तक रहेंगे और 7 प्रयोग करेंगे, जो भारतीय शिक्षण संस्थानों ने तैयार किए हैं। इनमें ज्यादातर बायोलॉजिकल

वाणिज्यिक कर विभाग में पारदर्शिता और सुधार के लिए वर्षों बाद व्यापक तबादले

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु) । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की गुड गवर्नेंस नीति के अनुरूप सभी विभागों में शासकीय कार्यप्रणाली को पारदर्शी, निष्पक्ष और जनहितकारी बनाने की दिशा में अनेक पहल की जा रही है। इसी क्रम में वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग में वर्षों बाद बड़े पैमाने पर तबादले किये गये हैं। इससे पहले विगत दो-तीन वर्षों में विभाग में एकाध बार ही सीमित संख्या में (केवल 10-15 अधिकारियों के) ही तबादले हुए थे। जीएसटी विभाग के अधिकांश अधिकारी-कर्मचारी एक ही पदस्थाना स्थल पर लंबे समय से कार्यरत थे। कुछ अधिकारी तो लगातार 18 वर्षों तक एक ही स्थान पर पदस्थ थे। यह स्थिति विभाग के कार्य निष्पादन और

कर संग्रहण में पारदर्शिता तथा निष्पक्षता की भावना को बाधित करती है। विभाग में स्वीकृत 35 राज्य कर उपायुक्त पदों में से 17 अधिकारियों को पदोन्नति उपरांत नवीन पदस्थापना प्रदान की गई। 13 राज 8 उपायुक्तों में 3 अधिकारी पिछले 10 वर्षों से, 2 अधिकारी 8 वर्षों से तथा 3 अधिकारी 4-5 वर्षों से रायपुर में पदस्थ थे। इसके अतिरिक्त 8 उपायुक्त तथा 4 सहायक आयुक्त 5 वर्षों से अपने गृह जिले में ही कार्यरत थे।

178 राज्य कर अधिकारी/राज्य कर निरीक्षक भी पिछले 4-5 वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ थे, जिनमें से 34 राज्य कर अधिकारी एवं 45 राज्य कर निरीक्षक लगातार 5 वर्षों से अपने गृह जिले में ही नियुक्त थे। टैक्स कलेक्शन विभाग होने के कारण इतनी लंबी अवधि तक एक

ही क्षेत्र में पदस्थ रहने से व्यापारिक संस्थाओं से व्यक्तिगत संबंध विकसित होने की संभावना बढ़ती है, जिससे कामकाज पर असर पड़ता है। वाणिज्यिक कर मंत्री ओ पी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस स्थिति में आवश्यक सुधार करते हुए राज्य में कर प्रशासन के विकेन्द्रीकरण और सुदृढीकरण की दिशा में प्रभावी कदम उठाये गये हैं। पूर्व में विभाग के वृत्तों की संख्या 30 होती हुए भी विभागीय कार्यालय महज 15 जिलों में ही सीमित थे, जबकि राज्य सरकार के सभी प्रमुख विभागों के कार्यालय सभी जिलों में हैं। इसे कमी को दूर करते हुए पहली बार दंतवाड़ा, कोंडागांव, जशपुर और नवगठित जिले सक्ती एवं सरगढ़ में वृत्त स्थापित कर वहां

➤➤ **शेष पृष्ठ 7 पर** ➤➤

बिहार चुनाव चुनाव आयोग ने विशेष मतदाता सत्यापन अभियान शुरू किया

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां) । बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने ने मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया है, जिसका उद्देश्य राज्य में प्रत्येक मतदाता की पात्रता की पुष्टि करना है। यह अभियान राजनीतिक दलों और जिला प्रशासन के सहयोग से चलाया जाएगा है। इसके लिए चुनाव आयोग ने बृथ स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई है। एसआईआर के तहत, ईसीआई ने पहले से मौजूद 77,895 बृथ लेवल अफ सरों (बीएलओ) के अलावा 20,603 और बीएलओ तैनात किए हैं। इसके अलावा एक लाख से ज्यादा स्वयंसेवक भी लगाए गए हैं, जो बुजुर्गों, दिव्यांगों, बीमार, गरीब और कमजोर वर्ग के मतदाताओं की मदद करेंगे। सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य

राजनीतिक दलों ने पुनरीक्षण प्रक्रिया में सहायता के लिए 1,54,977 बृथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए हैं, साथ ही काम आगे बढ़ने पर और एजेंट नियुक्त करने का विकल्प भी दिया गया है। बिहार के 243 विधानसभा क्षेत्रों में पंजीकृत 7.89 करोड़ मतदाताओं के लिए गणना प्रपत्र (ईएफ) घर-घर जाकर वितरित किए जा रहे हैं और ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं। इनमें करीब 4.96 करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो 1 जनवरी 2003 तक पंजीकृत हो चुके थे। उन्हें सिर्फ अपनी जानकारी की पुष्टि करके फॉर्म जमा करना है। जिला मजिस्ट्रेट और सभांगीय आयुक्त बीएलओ की तैनाती की देखरेख कर रहे हैं। साथ ही, चुनाव आयोग बिहार में 5.74 करोड़ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबरों पर एसएमएस भेजकर भी मतदाताओं से संपर्क कर रहा है। चुनाव आयोग ने कहा है कि सभी काम तय समय पर चल रहे हैं और यह भी भरोसा दिलाया कि

सिर्फ 18 साल से ऊपर के भारतीय नागरिक, जो संबंधित क्षेत्र में रहते हैं, वही वोट देने के योग्य होंगे। यह अभियान बिहार में अब तक का सबसे बड़ा मतदाता सत्यापन अभियान माना जा रहा है, जो अधिकतम नागरिक और राजनीतिक भागीदारी के माध्यम से एक स्वच्छ और सटीक मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए ईसीआई के प्रयास को दर्शाता है।

विपक्षी दल मतदाता सूची संशोधन पर सवाल उठा रहे

चुनाव नजदीक आने पर राजनीतिक दल भी सक्रिय हो गए हैं। वे जनता से मिल रहे हैं, रैलियां कर रहे हैं और कुछ कल्याणकारी योजनाओं की घोषणाएं भी कर चुके हैं। इसके कारण धीरे-धीरे मतदाताओं में मतदान की भावना जागृत हो रही है और मतदान की प्रक्रिया में सुधार के लिए आवाजें उठ रही हैं।

कांटा लगा फेम शेफाली जरीवाला का निधन



मुंबई, 28 जून (एजेंसियां) । कांटा लगा गाने से मशहूर हुई एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में निधन हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 27 जून की रात उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया, जिससे उनकी मौत हो गई। अब इस मामले में मुंबई पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है। शेफाली जरीवाला के घर पर फॉरेंसिक टीम पहुंची और सबूत जुटाए गए। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने पति पराग त्यागी का बयान घर पर लिया। अब तक चार लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। शेफाली के घर के कुक और मेड से भी पूछताछ हुई है। पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है। वहीं, पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट अभी तक आई नहीं, लेकिन पोस्टमॉर्टम हो चुका है। सूत्रों के मुताबिक 2 बार पोस्टमॉर्टम किया गया है। पुलिस फ्रेंक फ्रेंक के कदम रख रही क्योंकि सुशांत सिंह राजपूत के बाद से पुलिस कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। देर शाम को उनका अंतिम संस्कार हुआ। शेफाली का अंतिम संस्कार ओशिवारा के विद्युत शवदाह घर हुआ।

प्रतिबंध

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां) भारत ने शनिवार को बांग्लादेश से जूट और उससे जुड़े फाइबर उत्पादों के आयात पर तत्काल प्रभाव से बंदरगाह प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है, जिससे पड़ोसी देश से सस्ते और सख्खिडी वाले आयातों को रोका जा सके।

स्थानीय किसानों और मिलों को हो रहा था नुकसान

बांग्लादेश से सस्ते आयात के चलते जूट की कीमतें कम हो गई हैं, जिससे किसानों की आय प्रभावित हुई है और भारतीय जूट मिलों की क्षमता का उपयोग कम हुआ है। इस कारण मिल बंद हो रही हैं और बेरोजगारी भी बढ़ रही है। सरकार के आधिकारिक बयान के अनुसार, ये प्रतिबंध नवावा शेवा बंदरगाह को छोड़कर सभी भूमि और बंदरगाहों से भारत में बांग्लादेशी जूट और उससे जुड़े फाइबर उत्पादों के आयात पर लागू होंगे। प्रतिबंधों का उद्देश्य अनुचित व्यापार प्रथाओं का मुकाबला करना, आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना और भारत की घरेलू जूट अर्थव्यवस्था से जुड़ी ग्रामीण आजीविका की रक्षा करना है। साथ ही कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए भी कदम उठा रही है कि प्रतिबंधों को दरकिनार करते हुए बांग्लादेश से आयात तीसरे देशों के माध्यम से

न भेजा जाए। दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र के प्रावधानों के तहत, बांग्लादेश से जूट को भारत में शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त है। लेकिन, पड़ोसी देश ने भारत द्वारा अपने बाजार तक विस्तारित पहुंच देने का दुरुपयोग किया गया और देश के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचाया। बयान में बताया गया है कि भारतीय जूट उद्योग को लंबे समय से बांग्लादेश के सब्सिडी

वाले जूट उत्पादों के आयात से नुकसान उठाना पड़ा है। इस बात के विश्वसनीय सबूत हैं कि बांग्लादेशी जूट निर्यात बांग्लादेश सरकार द्वारा विस्तारित राज्य सब्सिडी से लाभान्वित हो रहे हैं। इन चिंताओं के जवाब में एंटी-डॉपिंग और संबंधित शुल्क महानिदेशालय (डीजीएडी) ने विस्तृत जांच की और बांग्लादेश से आने वाले जूट के सामान पर एंटी-डॉपिंग ड्यूटी (एडीडी) लगाई।



पति- मैं अखबार में ईश्टहार दूंगा।
पत्नी- तुम कितने अच्छे हो। क्या लिखोगे?

कैपिटल ज़ोन

प्राइवेट स्कूलों को झटका, रायपुर में निजी प्रकाशकों की किताबों पर प्रतिबंध

यूनिफॉर्म से जुड़े जूते, मोजे, बेल्ट की बिक्री भी प्रतिबंधित

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। रायपुर के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने एक सख्त आदेश जारी करते हुए जिले के सभी निजी स्कूलों में प्राइवेट पब्लिशर्स की किताबों के उपयोग पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। आदेश के मुताबिक, अब सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों को केवल एन सी आर सी टी की किताबों से ही पढ़ाई करानी होगी। वहीं छत्तीसगढ़ बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों को पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा निर्धारित किताबें पढ़ानी होंगी। इस आदेश का उद्देश्य करने पर शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आदेश में यह भी साफ किया गया है कि निजी स्कूल यूनिफॉर्म से जुड़े किसी भी वस्तु जैसे जूते, मोजे, टाई, बेल्ट, बैग, नोटबुक आदि की बिक्री परिसर में नहीं कर सकेंगे और न ही किसी खास दुकान से खरीदने के लिए पालकों को बाध्य किया जाएगा। बीते कुछ समय से इस संबंध में लगातार शिकायतें



मिल रही थीं कि कई निजी स्कूल इन सामानों को खुद बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। अब इस पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे सत्र के शुरुआत में सभी नियमों का पालन सुनिश्चित करें और नोडल प्राचार्य के माध्यम से डी ई ओ को

प्रमाण पत्र सौंपें।
प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की आपत्ति
इस आदेश के जारी होते ही छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने इसका विरोध किया है। एसोसिएशन ने डीईओ

कार्यालय को पत्र लिखते हुए आदेश पर रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि कई स्कूलों में एन सी ई आर टी की किताबें समय पर उपलब्ध नहीं हो पातीं। जिस कारण वैकल्पिक रूप में प्राइवेट पब्लिशर्स की किताबों का सहारा लिया गया था। लेकिन इस आदेश से निजी स्कूलों पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है।

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सभी निजी विद्यालय उस बोर्ड की किताबें ही पढ़ाएं जिससे उन्हें मान्यता प्राप्त है।

सी बी एस ई और आईसीएसई स्कूलों के लिए एन सी ई आर टी पुस्तकें और छत्तीसगढ़ बोर्ड स्कूलों के लिए पाठ्य पुस्तक निगम की किताबें ही मान्य हैं। इन नियमों का उद्देश्य पाए जाने पर संबंधित स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, छात्रों के हित में केंद्रीयकृत परीक्षाओं में सम्मिलित होना भी अनिवार्य किया गया है।

पटवारी आत्महत्या मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए

मानसून सत्र में कानून व्यवस्था, रेत खनन पर सरकार को घेरेंगे

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला मामले में निर्लांबित पटवारी के आत्महत्या मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा, इस मामले की सीबीआई या ई डी से जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा, सरकार बड़ी मछलियों को बचाने छोटी मछलियों का शिकार कर रही है। मौत है या आत्महत्या ये जांच का विषय है, लेकिन उनके सुसाइड नोट से पता चलता है कि बड़े-बड़े अधिकारी और भाजपा के नेता इस घटना में शामिल हैं। मामले की जांच हाईकोर्ट के जज की निगरानी में होनी चाहिए।



ने कहा, 30 लाख से अधिक राशन कार्ड धारियों का सत्यापन नहीं हो सका है। इस महीने में अंतिम 3 दिन में सभी कार्डधारियों का सत्यापन संभव नहीं है। राशन कार्ड सत्यापन की समयावधि बढ़ाया जाए, ताकि प्रदेश में कोई गरीब हितग्राही राशन से वंचित न हो।

मानसून सत्र में कानून व्यवस्था, रेत खनन पर सरकार को घेरेंगे-विधानसभा का मानसून

सत्र 14 जुलाई से शुरू होगा इस पर दीपक बैज ने कहा, कानून व्यवस्था, पेड़ों की कटाई, रेत खनन जैसे मुद्दों को सदन में उठाएंगे। इस मामले को लेकर कांग्रेस फिर से सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेगी।

पंकज झा के हाल ही में किए पोस्ट का जिक्र करते हुए दीपक बैज ने कहा कि क्या ईमान को भगवान कहना सनातनियों का अपमान नहीं।

क्या गृह मंत्री सीएम साय को भगवान मानते हैं या उन पर फूल चढ़ाते हैं। वाराणसी के द्वारे में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सीएम योगी आदित्यनाथ और यूपी बीजेपी अध्यक्ष से मुलाकात की और वहां की तस्वीर साझा की थी, जिसे री-पोस्ट कर पंकज झा ने तीनों नेताओं को च्छत्रम विष्णु महेश च्छताया था। इसे लेकर दीपक बैज ने भाजपा पर धर्म का सबसे ज्यादा अपमान करने का आरोप लगाया है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल व रेलवे जीएम की बैठक कल

यात्री सुविधाओं और विकास कार्यों पर होगी चर्चा

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। रायपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल 30 जून को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। यह बैठक मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय रायपुर के सभागार में आयोजित की जाएगी, जिसमें रेल विकास और यात्री सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी।



बीते साल कई मांगों पर हुई कार्रवाई
पिछले वर्ष हुई बैठक में सांसद द्वारा उठाए गए विषयों पर रेलवे प्रशासन ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कई कार्य पूरे किए हैं। रायपुर मंडल में कुंभ स्पेशल, होली स्पेशल, छठ स्पेशल और दीपावली स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत उरकुरा, भिलाई और भातपुरतापपुर स्टेशनों का कायाकल्प कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उनका वर्चुअल उद्घाटन किया गया। अन्य रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य भी तेजी से चल रहे हैं। डब्ल्यूआरएस रेलवे कॉलोनी में सोलर प्लांट लगाने, राजिम गुड्स शेड का निर्माण मार्च 2026 तक पूरा करने, बंद ट्रेनों को नियमित करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर में बढ़ती आबादी और भविष्य के ट्रैफिक दबाव को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने सक्रिय पहल शुरू कर दी है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. गौर व सिं ह एवं एसएसपी डॉ. लाल उमदे सिंह ने शहर के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों का दौरा कर संभावित विकास स्थलों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मठपुरेना, भाटागांव, उरकुरा, एक्सप्रेस-वे सहित अन्य महत्वपूर्ण इलाकों में प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण, नए एक्सप्रेस वे, फ्लाईओवर



और रेलवे अंडरब्रिज/ओवरब्रिज की संभावनाओं का गहन अवलोकन किया। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि,

डॉक्टरों को कोर्ट जाने की इंग्रंट से मिली मुक्ति

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। प्रदेश में अब डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को अदालत में पेश होकर गवाही देने की जरूरत नहीं होगी। राज्य के सभी 33 जिला अदालतों और जिला अस्पताल अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आपस में जुड़ गए हैं। अब मेडिकल रिपोर्ट और डॉक्टरों के बयान वर्चुअली लिए जा सकेंगे। इस नई सुविधा की शुरुआत हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने वर्चुअल तरीके से की।

डिजिटाइजेशन और स्कैनिंग सेंटर भी शुरू कर दिए गए हैं। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने कहा कि इन सेंटरों के शुरू होने से अब पूरे छत्तीसगढ़ में अदालतों का डिजिटलीकरण पूरा हो गया है, जो न्याय व्यवस्था के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

चीफ जस्टिस ने खुशी जताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अब ई-कोर्ट मिशन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। खास बात ये है कि अब अदालतों से जारी समन भी ई-समस के जरिए भेजे जाएंगे। इससे न सिर्फ समय की बचत होगी, बल्कि न सिर्फ सुनवाई में बार-बार तारीख टलने की परेशानी भी कम होगी। अब मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टर कोर्ट से सीधे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़कर गवाही दे सकेंगे। इससे मेडिकल स्टाफ की सुविधा बढ़ेगी और अदालत की प्रक्रिया भी पहले से ज्यादा आसान और तेज होगी।

डीकेएस अस्पताल के 2 करोड़ टर्नओवर और 5 करोड़ नेटवर्थ वाले टेंडर पर बवाल

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर स्थित डीकेएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में लांड्री सेवा के लिए निकाले गए टेंडर ने विवाद खड़ा कर दिया है। टेंडर में रखी गई 2 करोड़ रुपये के वार्षिक टर्नओवर और 5 करोड़ रुपये की नेटवर्थ की अनिवार्यता को लेकर स्थानीय व्यवसायियों, धोबी समाज और लांड्री कर्मचारी संगठन ने गहरी नाराजगी जताई है। इन संगठनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने जानबूझकर ऐसी शर्तें रखी हैं, जिससे स्थानीय और मध्यम स्तर के व्यवसायी इस प्रक्रिया से बाहर हो जाएं और लाभ बड़ी फर्मों को मिले। इसी के विरोध में प्रदेश धोबी समाज के महामंत्री हेमंत निर्मलकर ने अस्पताल प्रबंधन को पत्र भेजकर टेंडर निरस्त करने की मांग की है। महामंत्री हेमंत निर्मलकर ने कहा — सेवा की वास्तविक आवश्यकता

की तुलना में यह शर्तें अत्यधिक और असंगत हैं। रायपुर में कार्यालय अनिवार्यता भारतीय प्रतिस्पर्धा नियमों के खिलाफ है। यदि टेंडर वापस नहीं लिया गया तो समाज न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को बाध्य होगा।

इधर, शहर धोबी समाज के अध्यक्ष वरुण निर्मलकर ने भी मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर टेंडर रद्द करने की मांग की है। उनका कहना

धोबी समाज और लांड्री संगठन ने उठाई आपत्ति

है कि यह पूरी साजिश लघु व्यवसायियों और स्व सहायता समूहों को बाहर करने के लिए रची गई है। विवादित शर्तों में 2 करोड़ वार्षिक टर्नओवर, 5 करोड़ नेटवर्थ, 18 लाख रुपये परफॉर्मंस गारंटी, 15 दिन में उपकरण स्थापना की अनिवार्यता के साथ रायपुर में कार्यालय को अनिवार्य बताया गया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि प्रबंधन टेंडर निरस्त नहीं करता तो कोर्ट में मामला ले जाया जाएगा।

रायपुर विमानतल में शुरू हुई ऑटोमेटेड पार्किंग

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट, रायपुर पर ऑटोमेटेड पार्किंग की शुरुआत हो चुकी है। इस सिस्टम से अब पार्किंग एंट्री पर स्वचालित सिस्टम से पार्की निकलेगी, जिसमें वाहन का नंबर और प्रवेश का समय स्वतः अंकित रहेगा। पार्की लेने के साथ ही बैरियर अपने आप खुल जाएगा और वाहन पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश कर सकेगा।

विवादों पर भी लगाम लगेगी, जो पहले पार्किंग शुल्क को लेकर अक्सर सामने आते थे। ड्रॉप या पिकअप के बाद जब वाहन चालक बाहर निकलेंगे तो एरिजट व्हाइट पर फास्टेज के जरिए ऑटोमैटिक भुगतान हो जाएगा। विमानतल निदेशक रायपुर ने शुक्रवार रात में इस सिस्टम की शुरुआत की। अब यात्रियों के वाहन से ड्रॉप और पिक अप समय के



■ अपने आप कटेगी पार्की
■ फास्ट टैग से होगा भुगतान

एयरपोर्ट पर पार्किंग की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑटोमेटेड हो गई है, जिसमें किसी भी तरह का मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा। इस व्यवस्था से उन

तयशुदा दर के अनुसार पैसा कटेगा, लेकिन पार्किंग के दरों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

से वाकिफ था। और उसकी प्रापटी पर नजर थी। किशोर अकेले रहता था, और खाने-पीने का न्योता देकर दो लाख रुपए कमीशन के रूप किशोर से लिए थे। यही नहीं, 30 लाख रुपए उधारी भी लिए थे। उधारी की रकम वापस करने के लिए किशोर दबाव भी बना रहा था। अंकित को किशोर की पूरी प्रापटी की जानकारी है, और कहा जा रहा है कि हत्या कर प्रापटी हड़पने की कोशिश

में था। फिलहाल पुलिस इसकी लेकर जानकारी जुटा रही है। आरोपियों ने अपने परिचित

प्रदेश में झमाझम बारिश से गर्मी से मिली राहत

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। प्रदेश के सारागांव जिले के आसपास अंचल में बीती रात्रि झमाझम बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। जहां एक ओर

हैए जिससे लोगों को गर्मी और उमस से काफी राहत मिली है। साथ ही सारागांव और आसपास अंचल में भी अच्छी बारिश हुई है।



बारिश का सबसे बड़ा फायदा किसानों को हुआ है। खरीफ सीजन की बुआई लगभग पूर्ण हो गई थीए किसानों की बारिश का इंतजार था। इंतजार कर रहे किसानों के चेहरे भी खिल उठे हैं। बीती रात्रि वर्षा ने जहां आम जनजीवन को राहत दी है वहीं कृषि गतिविधियों में भी नई जान फूक दी है। बुधवार रात्रि और सुबह रिमझिम बारिश के बाद से तापमान में करीब 5.6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई

बोआई के बाद लंबे समय से पानी नहीं गिरने से बीज खराब होने की चिंता सता रही थी। लेकिन बीती रात्रि हुई बारिश से किसानों को काफी राहत मिली है। किसानों ने कहा कि रुक रुक कर ऐसी ही बारिश होने की जरूरत है।

पैकरा हत्याकांड : मृतक की प्रापटी पर थी अंकित की नजर

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में किशोर पैकरा हत्याकांड मामले में आरोपी वकील अंकित उपाध्याय से पूछताछ में कई जानकारीयों सामने आई हैं। बताया गया कि रिटायर्ड एसआई के बेटे अंकित की नजर मृतक की प्रापटी पर थी। पुलिस के मुताबिक अंकित उपाध्याय भी पहले हांडीपारा में निवासरत था। उस समय अंकित के पिता आरएन उपाध्याय अजाद चौक थाने में ही पदस्थ थे। तब से अंकित की किशोर पैकरा से पुरानी जान-पहचान थी।

सूत्रों के मुताबिक मृतक किशोर पैकरा एक संपन्न परिवार से ताहुक से वाकिफ था। और उसकी प्रापटी पर नजर थी। किशोर अकेले रहता था, और खाने-पीने का न्योता देकर दो लाख रुपए कमीशन के रूप किशोर से लिए थे। यही नहीं, 30 लाख रुपए उधारी भी लिए थे। उधारी की रकम वापस करने के लिए किशोर दबाव भी बना रहा था। अंकित को किशोर की पूरी प्रापटी की जानकारी है, और कहा जा रहा है कि हत्या कर प्रापटी हड़पने की कोशिश

उसका विश्वास हासिल कर लिया था। मृतक की एक प्रापटी बिकवाकर आरोपी वकील अंकित उपाध्याय ने



प्रवेश प्रारंभ

पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. से सम्बद्ध

प्रवेश प्रारंभ

शांतिनिकेतन महाविद्यालय

M.Sc. Micro Bio., Com. Science, I.T.,

B.Sc. Micro Bio., Com. Science, I.T. & Plain

B.Com. Plain & Computer Application

प्रवेश शुल्क में 50% की विशेष छूट

ST, SC, OBC विधार्थियों के लिए (100%) छात्रवृत्ति की सुविधा

BCA, DCA, PGDCA

-: प्रवेश हेतु संपर्क करें:-

बाजार चौक के पास, चंगोराभाटा, रायपुर

0771-2243085, 2242890, 9425526891, 7828168418

कृषकों की समृद्धि हमारा संकल्प

नवाचार और तकनीक से सशक्त होंगे छत्तीसगढ़ के अन्नदाता: साय

मुख्यमंत्री साय ने तहसील कार्यालय का किया शुभारंभ

■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया एपी-हॉटी एक्सपो एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का वर्चुअल शुभारंभ

जशपुर, 28 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले में बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैप कार्यालय से कृषि क्रांति अभियान के अंतर्गत एपी-हॉटी एक्सपो एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का वर्चुअल शुभारंभ किया। जिला पंचायत परिसर में दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश की कई प्रमुख कृषि कंपनियां जैसे- जियो मार्ट रिटेल, देहात, हॉनेस्ट फॉर्म, आत्माकुर, धरागरी, अवनी आयुर्वेदा इत्यादि उपस्थित रहेंगी। इन कंपनियों के माध्यम से जिले के किसान एफपीओ के जरिए अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने हेतु फसल विक्रय अनुबंध कर सकेंगे। बिचौलिया प्रथा समाप्त होने से किसानों को उनकी मेहनत का सही मूल्य प्राप्त होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषकों की समृद्धि के लिए छत्तीसगढ़ सरकार दृढ़ संकल्पित है।



नवीनतम तकनीक को अपनाकर छत्तीसगढ़ के अन्नदाता आर्थिक रूप से अधिक सशक्त होंगे। उन्होंने कहा कि जशपुर के कृषि विकास के इतिहास में आज का दिन मील का पत्थर सिद्ध होने वाला है। जिला प्रशासन के अभिनव प्रयास से 'कृषि क्रांति' अभियान की शुरुआत हो रही है। हमारा देश कृषि प्रधान है और छत्तीसगढ़ में लगभग 80 प्रतिशत लोग कृषि तथा इससे संबंधित कार्यों से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने हेतु फसल बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। चाहे वह समर्थन मूल्य पर

3100 रुपये प्रति चिटिल के मान से 21 चिटिल प्रति एकड़ धान खरीदी हो, समर्थन मूल्य पर वनोपज का संग्रहण हो या प्रोसेसिंग और निर्यात से जुड़ी योजनाएं हों, हमारी सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए बहुस्तरीय प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जशपुर में कटहल, आम, लीची, नाशपाती की बहुतायत में पैदावार होती है। यहां सेब की भी खेती शुरू हो गई है। इस सम्मेलन के माध्यम से किसानों और खरीदार कंपनियों के बीच सीधा संवाद स्थापित होगा। यह एक ऐसा मंच है जहां एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) के माध्यम से किसानों की उपज को

सीधा बाजार उपलब्ध होगा, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। मुख्यमंत्री साय ने साईल हेल्थ कार्ड के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि इससे यह जानकारी मिलती है कि किस जमीन पर कौन-सी फसल का उत्पादन अधिक होगा और कितनी मात्रा में खाद की आवश्यकता होगी। इसके लिए केंद्र से आए कृषि वैज्ञानिक पूरे राज्य में जाकर साईल हेल्थ के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं। राज्य में कृषि के साथ विकास को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। डेयरी विकास योजना के पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयनित छह जिलों में जशपुर भी शामिल है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया आंगनबाड़ी और प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण

सूरजपुर, 28 जून (देशबन्धु)। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर के पंच मंदिर वार्ड में आंगनबाड़ी केंद्र और शासकीय

और गुणवत्तापूर्ण आहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, पोषण, स्वच्छता और शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आंगनबाड़ी में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार की गुणवत्ता, टीकाकरण और पोषण ट्रैकर ऐप के उपयोग की जांच की गई। मंत्री ने कुपोषण से जूझ रहे बच्चों की नियमित निगरानी

प्राथमिक शाला में उन्होंने शिक्षकों से पाठ्यक्रम, मध्यह्न भोजन और पुस्तक वितरण की जानकारी ली। बच्चों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और सपनों को जाना। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मजबूत बचपन ही सशक्त भविष्य की नींव है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार बाल विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण में जिला कार्यक्रम अधिकारी, बीईओ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

आधुनिक आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई का लोकार्पण आज

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित द्वारा निर्मित अत्याधुनिक आयुर्वेदिक औषधि प्रसंस्करण इकाई का लोकार्पण 29 जून को ग्राम जामगांव (एम), जिला दुर्ग में किया जाएगा। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप करेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद दुर्ग विजय बघेल, स्थानीय विधायकगण, राज्य वनोपधि बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम और वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में श्री 1008 डॉक्टर स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज महा मण्डलेश्वर, हरिद्वार उत्तराखण्ड विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा को विज्ञान और आधुनिक तकनीक से जोड़कर फॉरेस्ट टू फार्मसी मॉडल को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। 27.87 एकड़ क्षेत्र में रु. 36.47 करोड़ की लागत से निर्मित आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई से प्रतिवर्ष लगभग रु. 50 करोड़ मूल्य के उत्पाद तैयार किए जाने का अनुमान है। यह इकाई प्रदेश में वनों में पाई जाने वाली औषधीय और लघु वनोपज जैसे महुआ, साल बीज, कालमंघ, गिलोय, अश्वत्था आदि का संगठित एवं वैज्ञानिक प्रसंस्करण कर चूर्ण, सिरप, तेल, टैबलेट एवं अवलेह

जैसे गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेदिक उत्पादों का निर्माण करेगी। यह इकाई छत्तीसगढ़ हर्बल्स ब्रांड के तहत प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने का प्रमुख केंद्र भी बनेगी। परियोजना के अंतर्गत 1000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं की प्रार्थमिक

प्रसंस्करण कार्यों में भागीदारी सुनिश्चित होगी, जिससे उन्हें स्वरोजगार का अवसर मिलेगा। वहीं युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त होने से स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए द्वार खुलेंगे। आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई में आधुनिक वेयरहाउस की 20,000 मीट्रिक टन की संग्रहण क्षमता विकसित की गई है, जिससे सीजनल वनोपजों के दीर्घकालीन संरक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण में सहायता मिलेगी। यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के विजन को मूर्तरूप देती है। यह न केवल वन उत्पादों के स्थानीय मूल्य संवर्धन का उदाहरण प्रस्तुत करती है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन, आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशिता को भी सशक्त बनाती है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित के नेतृत्व में प्रदेश एक नए हरित औद्योगिक युग की ओर अग्रसर हो रहा है, जिससे वनवासीयों और ग्रामीणों के जीवन में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित हो रहा है।

राजमहल में हमला करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

सक्ती, 28 जून (देशबन्धु)। सक्ती के राजमहल में हमला करने वाले 6 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मास्टरमाइंड सहित करीब 15 आरोपी भी फरार हैं। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

दरअसल, सक्ती के राजमहल में बोते बुधवार को करीब 20 लोग राजमहल में कब्जा करने की नियत से घुस गए थे। आरोपियों ने घुस कर छेड़खानी, तोड़फोड़, लूटपाट और मारपीट की घटना को अंजाम दिया है, पूरे मामले को सक्ती राजमहल में संपत्ति विवाद से जोड़ कर देखा जा रहा है।

सक्ती राजपरिवार के राजा स्व. सुरेंद्र बहादुर

सिंह और पत्नी गीता राणा के बीच संपत्ति पर अधिकार और दत्तक पुत्र को लेकर विवाद का मामला अदालत में है। लेकिन कल अचानक राजमहल में हमले के मास्टरमाइंड राजेश शर्मा, राजकुमार अग्रवाल और अमन जोशी ने करीब 20 लोगों के साथ महल पर हमला कर दिया था। पुलिस ने पूरे मामले में आरोपियों के खिलाफ ब्रह्म कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आगे जांच में और खुलासा होने की बात पुलिस ने कही है।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार मां-बेटे को रौंदा, मौके पर ही मौत

- शादी से लौट रहे थे घर
- ट्रेलर चालक वाहन सहित फरार
- चारपारा के पास हुआ भीषण हादसा

बिलासपुर, 28 जून (देशबन्धु)। बिलासपुर के सीपत थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया, जहां एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचल दिया। यह हादसा इतना भीषण था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और फरार ट्रेलर चालक की तलाश जारी है।

घटना सीपत थाना क्षेत्र के ग्राम पंथी स्थित चारपारा मोहल्ले के पास रात करीब 9:15 बजे की है। ग्राम जांजी निवासी 28 वर्षीय हरीश सिंह अपनी 45 वर्षीय मां शकुन सिंह के साथ बाइक पर सवार होकर बिलासपुर में एक शादी



समारोह में शामिल होने के बाद घर लौट रहा था। तभी तेज रफ्तार में पीछे से आ रहे एक अज्ञात ट्रेलर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों को सिर में गंभीर चोटें आईं और मां-बेटे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

अज्ञात ट्रेलर चालक फरार हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद सीपत पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को मर्च्युरी भेजा गया। मौके

तपकरा को मिली नई पहचान

मुख्यमंत्री साय ने तहसील कार्यालय का किया शुभारंभ

■ नगर पंचायत का दर्जा देने की घोषणा

जशपुर, 28 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के तपकरा में तहसीलदार एवं कार्यपालक दंडाधिकारी कार्यालय का शुभारंभ किया। विदित हो कि 14 जनवरी को जशपुर जिले के प्रवास पर मुख्यमंत्री ने तपकरा को पूर्ण तहसील बनाने की घोषणा की थी। तहसील बनने से इसका लाभ 33 ग्रामों के किसानों, छात्रों और नागरिकों को मिलेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने तपकरा को नगर पंचायत बनाने, तपकरा स्थित खेल स्टेडियम के सौंदर्यीकरण के लिए 50 लाख रुपये स्वीकृत करने और फरसाबाहार में विश्राम गृह निर्माण करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार विकास के हर मोर्चे पर मोदी की गारंटी को तेजी से लागू कर रही है। सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए। महिलाओं को सशक्त बनाने महतारी वंदन योजना के



माध्यम से 70 लाख महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपये दिए जा रहे हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों की आय में वृद्धि के लिए तेंदूपत्ता का समर्थन मूल्य प्रति मानक बोरा 5,500 रुपये किया गया है। गांव में ही बैंकिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अटल डिजिटल सेवा केंद्र खोले जा रहे हैं। आगामी पंचायत दिवस पर सभी ग्राम पंचायतों में इसे शुरू करने की योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम नागरिकों की सुविधा के लिए रजिस्ट्री में 10 नई क्रांतिओं के तहत नवाचारों का बेहतर उपयोग कर पंजीयन प्रक्रिया को अधिक

पारदर्शी, सरल, डिजिटल और नागरिक केंद्रित बनाया गया है।

कार्यक्रम में कलेक्टर रोहित व्यास ने बताया कि यहां तहसील कार्यालय खुलने से किसानों, भूस्वामियों, छात्रों और नागरिकों को विशेष सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि एसडीएम फरसाबाहार का लैंक कोर्ट भी आगामी सोमवार से प्रारंभ हो जाएगा।

विधायक श्रीमती गोमती साय ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। आम नागरिकों की सुविधा के लिए राज्य सरकार पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, नगर पालिका उपअध्यक्ष यश प्रताप सिंह जुदेव, भरत साय, रोहित साय, आईजी दीपक कुमार झा, पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह, तपकरा सरपंच श्रीमती सविता जायसवाल सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

माउजर पिस्तौल लेकर घूम रहे थे आरोपी, अभनपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार,

अभनपुर, 28 जून (देशबन्धु)। अभनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को माउजर पिस्तौल और अन्य संहिध सामान के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक का नाम नीलकंठ साहू बताया जा रहा है, जो साईनगर कॉलोनी अभनपुर का रहने वाला है।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी लाल रंग की सिलेरियो कार में सवार होकर कठिया मोड़ के पास घूम रहे थे। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ युवक हथियार लेकर संहिध रूप से इलाके में घूम रहे हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं।

सूचना मिलते ही अभनपुर थाना पुलिस ने नाकेबंदी कर दक्षिण दिा और कार में सवार दोनों आरोपियों को धरदबोवा। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से एक नग माउजर पिस्तौल, कार और अन्य संहिध सामान बरामद हुआ है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। माना जा रहा है कि आरोपी किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे थे। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है और वाले पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनके साथ और कौन-कौन लोग जुड़े हैं।

आरंग के एक घर में मिला नाग-नागिन का पूरा परिवार, मची सनसनी

रायपुर-आरंग, 28 जून (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर के आरंग थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी में उस वक्त सनसनी फैल गई। जब एक घर में टाइल्स के नीचे नाग नागिन सहित और छोटे छोटे सांप के बच्चे मिले। जिसके बाद घर के पूरे टाइल्स को उखाड़कर सांप-पकड़ने वाले कि मदद से उखाड़ कर सभी सांपों को निकाला गया।

दरसअल, ग्राम देवरी रहने वाले इंद्रकुमार साहू के घर एक बिल मिला जिसके बाद टाइल्स को उखाड़ा गया, घर वालों ने जब उस कमरे के टाइल्स को निकाला तो घर वालों के होश उड़ गए। यहां पर पूरा नागलोक समाया हुआ था। नाग नागिन और लगभग 35 छोटे छोटे सांप घर के दो कमरों में अपना कब्जा कर चुके थे। जिसके बाद घर में दहशत का माहौल बन गया। एक घर में एकसाथ 35 जहरीले सांप मिलने की खबर गांव के साथ-साथ आसपास भी फैल गई।

SHRI SHANKARACHARYA

MAHAVIDYALAYA

JUNWANI-BHILAI

Programmes

with latest NEP 2020 syllabus and Indian knowledge system

► B.Com Hons.

► B.Sc. Hons.

(Computer Science, Chemistry, Electronics, Mathematics, Biotechnology, Biochemistry, Microbiology, Botany, Zoology)

► M.Sc. Microbiology

► M.Sc. Comp. Science

► M.A. English

► M.A. Econonics

► M.A. Sociology

► M.A. Psychology

► B.C.A. Hons.

(Approved by AICTE)

► B.B.A. Hons.

(Approved by AICTE)

► B.A. Hons.

► M.Sc. Physics

► M.Sc. Chemistry

► M.Sc. Mathematics

► M.Com.

► B.Ed.

► M.Ed.

► D.El.Ed.

► PGDCA

► DCA

Contact us

9244009086

8319333977

7974036214

Ph.D. Research Center

Commerce & Education

Khasra No. 97/2 Near Petrol Pump, Junwani, Bhilai

Email : ssmbhilai@hotmail.com, Website : ssmv.ac.in

प्रकाशक, मुद्रक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए देशबन्धु परिसर रामसागरराय रायपुर से प्रकाशित एवं मुद्रित। सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव। प्रेस पंजीयन- 6072/59

फोन- (0771) 4077750, 4077760, email id: deshbandhuraipur@gmail.com, website:deshbandhu.co.in



पड़ोसन- फोन बहुत अच्छा है तुम्हारा।
श्रीमति- भाई ने लेकर दिया है। 140 हजार का पड़ा।
पड़ोसन- नेकलेस भी अच्छा है तुम्हारा
श्रीमति- उन्होंने लेकर दिया, डेढ़ लाख का पड़ा।
पड़ोसन- पति भी अच्छे हैं तुम्हारे।
श्रीमति- पिताजी ने लेकर दिया। 40 लाख में पड़े।

एपीके फाइल द्वारा तथा ई-मेल हैक कर रकम उड़ाने वाले गैंग के 3 शातिर आरोपी गिरफ्तार

बस्तर पुलिस ने मुम्बई तथा जामताड़ा से आरोपियों को किया गिरफ्तार



जगदलपुर, 28 जून (देशबन्धु)। मामले के संबंध में जानकारी देते हुए बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने बताया कि प्रार्थी अमलेश कुमार पिता हरेकृष्ण निवासी नयामुंडा तिरंगा चौक जगदलपुर ने थाना बोधघाट में रिपोर्ट दर्ज करवाया कि दिनांक 21.01.2025 को एक्सिस बैंक कस्टमर के यर नंबर 2268318000 से लोन के लिए फोन आया जिसे उसने नहीं चाहिए कह कर मना कर दिया था। उसी दिन शाम 04.18 बजे एक्सिस बैंक से उसके मोबाइल नंबर 8825342459 में ओटीपी आना चालू हुआ और 05.35 बजे उनके खाता क्र. 917010042166632 से 500, 400000, 500 एवं 340000 रुपये का ट्रांसफर होने का मैसेज आया जिसे पता करने एक्सिस बैंक जाने पर पता चला कि मेरे खाता में दिनांक 21.01.2025 को नेट बैंकिंग के माध्यम से 733013 रुपये ऋण लिया गया है। जबकि प्रार्थी द्वारा किसी भी प्रकार का लोन के लिये एप्लाइ नहीं किया गया है। बैंक का स्टेटमेंट देखने पर पता चला कि उनके मेल आईडी को चेंज कर उसका दुरुपयोग कर किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा नेट बैंकिंग के माध्यम से 7333013 रुपये ऋण लेकर अन्य खाते में ट्रांसफर करने की रिपोर्ट पर थाना बोधघाट जगदलपुर में अपराध क्रमांक 47/2025 धारा 318(4) बीएनएस, 66 (डी) आई.टी. एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अपराध कायमी पश्चात मामले की गंभीरता को देखते हुए उपा पुलिस अधीक्षक सायबर श्रीमती गौतिका साहू के नेतृत्व में निरीक्षक गौरव तिवारी एवं सायबर सेल द्वारा मामले की तकनीकी जांच एवं विवेचना आरंभ की गई विवेचना के दौरान विभिन्न बैंकों से जानकारी ली जा चुकी है।

- मास्टर माइंड अब्दुल मजीद से दर्जनों एटीएम पासबुक एवं कैश बरामद
- प्रारंभिक जांच में अलग-अलग राज्यों से 11577005 रुपए की धोखाधड़ी की जानकारी
- आरोपियों से जस बैंक खातों में अलग-अलग राज्यों से 46 से अधिक शिकायत दर्ज

ठेकमा बजार थाना बरदा जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश हाल आगसन रोड बी.आर. नगर टाटा पावर मकान नम्बर 04 दिवा ईस्ट जिला थाणे महाराष्ट्र (3) अब्दुल मजीद पिता सादिर मिया उम्र 45 साल जाति मुस्लिम निवासी ग्राम पोखरिया पोस्ट नारायणपुर थाना

नारायणपुर जिला जामताड़ा झारखण्ड हाल पोसई थाना जामताड़ा झारखण्ड को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के स्थान की तलाशी लेने पर इनके पास से अधिक मात्रा में पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड एवं अन्य दस्तावेज बरामद हुये। पृष्ठताछ करने पर आरोपियों द्वारा अपने परिचितों के नाम से खोले गये बैंक खातों में प्रार्थी का धन स्थानांतरित कर उपभोग करना स्वीकार किया गया। आरोपियों से जस किये गये मोबाइल, बैंक खाता संबंधित दस्तावेज की जांच एवं पृष्ठताछ करने पर आरोपियों द्वारा 116 से अधिक फर्जी खाता खुलवाकर कुल 1,15,77,005 रुपये सायबर अपराध करना पाया गया। आरोपी कार्तिकेय राय उर्फ सत्यम एवं संतोष कुमार पिता मधुबन प्रसाद के पंजाब नेशनल बैंक के खाता क्र 0745100100006949 मे बिहार -1, हरियाणा-4, उत्तरप्रदेश-4, महाराष्ट्र -1, गुजरात-1, से कुल 1903311/रु (2) समर्थ सहकारी बैंक के खाता क्र- 0320041010000729 मे आंध्रप्रदेश-1, महाराष्ट्र-5, बिहार-1, दिल्ली-1, गुजरात-3, हरयाणा-1, करनाटका-1, पंजाब-1, उत्तरप्रदेश-1, बेस्ट बंगाल-1, छत्तीसगढ़-1, उत्तराखंड-1 से कुल 2067297/रु, (3) कैनरा बैंक के खाता क्र. 110211362049 मे वेस्टबंगाल-5, बिहार-2, केरल-1, महाराष्ट्र-1, तमिलनाडु-1, उत्तरप्रदेश-1, छत्तीसगढ़-1 से कुल 2520956/रु एवं (4) फेडरल बैंक खाता क्रमांक 35580100118328 में गुजरात-2, महाराष्ट्र-01, तमीलनायडू-01, उत्तर प्रदेश-01, से कुल 6946441 रुपये के सायबर फंड की कुल 46 शिकायत की गई है।



- जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक
- अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का तीसरा चरण का शुभारंभ

जगदलपुर, 28 जून (देशबन्धु)। जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में सांसद महेश कश्यप की उपस्थिति में शनिवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित किया गया। बैठक में बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि शिक्षा सत्र में स्कूल भवनों, शौचालय में रनिंग वॉटर की व्यवस्था को प्राथमिकता से पूरा किया जाए, इसके साथ ही आश्रम- छात्रावासों में साफ सफाई की व्यवस्था, पेयजल की सुविधा और बच्चों को लगातार स्वास्थ्य जांच किया जाना सुनिश्चित करें। सांसद ने कहा कि जिले में जल जीवन मिशन योजना के तहत स्थापित की जा रही टंकी, पाइप लाइन और बोर खनन के कार्य को गुणवत्ता के साथ ही जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जिले अस्पतालों में चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ हमेशा उपलब्ध रहें ताकि मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा मिल सके। साथ ही महारानी और मेडिकल अस्पताल से रेफर सिर्फ शासकीय अस्पतालों के लिए किया जाए। बैठक में विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, नगर निगम के सभापति खेमसिंह देवांगन सहित समिति के सदस्य जनपदों के अध्यक्ष, सरपंच और कलेक्टर हरिस एस, सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन, सहायक कलेक्टर विपिन दुबे सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में विधायक श्री गोयल ने प्रधानमंत्री

उज्ज्वला योजना के क्रियान्वयन में हुई लापरवाही की जाँच कर कार्यवाही किया जाए। जनप्रतिनिधियों ने स्कूलों में बच्चों की क्षमता अधिक होने पर सीट बढ़ाने की बात कही और किसानों को समय से धान-मक्का का बीज वितरण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बीमा प्रकरणों का भी समय पर निराकरण करवाने पर जोर दिया। जनप्रतिनिधियों ने जल जीवन मिशन योजना के कार्य में विलंब के लिए संबंधित ठेकेदारों को नोटिस देकर कार्य को गुणवत्ता के साथ पूरा करवाने के लिए भी कहा। बैठक में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण-शहरी, सांसद आदर्श ग्राम योजना, स्वच्छ भारत मिशन के तहत ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम, सामुदायिक शौचालय, स्त्रीशिक्षण शेड निर्माण, ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान, ग्राम पंचायत विकास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विकास योजना, पी एम जन औषधि परियोजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, क्षय रोग उन्मूलन, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्री मैट्रिक-पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, समग्र शिक्षा, संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना, डिजिटल इंडिया के कार्य, भारत नेट, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, जल जीवन मिशन योजना, डिजिटल इंडिया भूमि >>> शेष पृष्ठ 9 पर >>

बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल 2 जुलाई से करेंगे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल



ग्रामीण इलाकों में गहराया पेयजल संकट, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की लापरवाही पर तीखा रुख

जगदलपुर, 28 जून (देशबन्धु)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की अनदेखी, उदासीनता, लापरवाही एवं दुर्लभ प्रशासनिक कार्यशैली के कारण बस्तर विभाग क्षेत्रों में भीषण पेयजल संकट गहराता जा रहा है। क्षेत्र में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों में भारी अनियमितताएं, निर्माण कार्यों में गड़बड़ियाँ और गंभीर लापरवाही की शिकायतों के बावजूद विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इस स्थिति को लेकर बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल अब आर-पार की लड़ाई के जा रहे हैं।

विधायक बघेल 2 जुलाई 2025 से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि यदि शासन और संबंधित विभाग ने अब भी स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया, तो यह आंदोलन जन आंदोलन का रूप लेगा विधायक बघेल ने बताया कि उन्होंने राज्य स्तर से लेकर विभागीय अधिकारियों तक लगातार पत्राचार कर इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। सैकड़ों ग्रामीणों के साथ

मिलकर जापन सौंपा गया, लेकिन इसके बावजूद विभाग की ओर से कोई सार्थक पहल नहीं की गई। उन्होंने कहा कि विभाग की निष्क्रियता और उदासीन रवैये से ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें जनता की समस्या से कोई सरोकार नहीं जल जीवन मिशन में लापरवाही, सूखा प्रभावित ग्रामीण क्षेत्र प्यासा ग्रामीण अंचलों में जल संकट गहराता जा रहा है। बावजूद इसके विभाग द्वारा बार-बार अवगत कराए जाने के बाद भी बोर खनन जैसी आवश्यक कार्रवाई नहीं की जा रही है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल-जल पहुंचाने का जो वादा सरकार ने किया था, वह अब धरातल पर अधूरा और बेवकूफ बन चुका है। विशेषकर सूखा प्रभावित क्षेत्रों में, जहां पानी की व्यवस्था सर्वाधिक जरूरी है, वहां भी जल स्रोत स्थापित न करना अत्यंत निंदनीय और चिंताजनक है। इससे न केवल ग्रामीणों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है बल्कि स्वास्थ्य और आजीविका पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के लिए बनाई जाए योजनाएं

दंतेवाड़ा, 28 जून (देशबन्धु)। ओबीसी महासभा के ऑनलाइन बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी राधेश्याम के नेतृत्व में 23 सूत्रीय मांगों पर सहमति बनी। इसके क्रियान्वयन हेतु बस्तर संभाग अध्यक्ष दिनेश यदु के निर्देश पर संभागीय अध्यक्ष युवा मोर्चा नारायण साहू के नेतृत्व में गीदम अनुभाग में तहसीलदार किशन मिश्रा को जापन सौंपा गया।

यह जापन प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग, महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया। जापन में अन्य पिछड़ा वर्ग के हित संवर्धन एवं संरक्षण हेतु जन कल्याणकारी योजनाओं में समानुपातिक हिस्सेदारी प्रदान करने सहित 23 सूत्रीय



मांगें थी। इस दौरान ओबीसी महासभा के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे। इनमें युवा मोर्चा बस्तर संभाग अध्यक्ष नारायण साहू, दंतेवाड़ा जिलाध्यक्ष नागेश

23 सूत्रीय मांगों को लेकर ओबीसी महासभा ने सौंपा जापन

जायसवाल, जिला महासचिव पीलाराम सिन्हा, कार्यकारिणी सदस्यों में नितिन देवांगन, गौतम कुमार, तुषार यादव, शुक्लधर सेठिया, नीलाधर

सिन्हा, सुकीत सिन्हा, सतीश कुमार देशमुख, संतोष साहू एवं अन्य सदस्य शामिल थे। इस जापन के माध्यम से पिछड़ा वर्ग के लिए कई योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए केन्द्र और प्रदेश सरकार से आग्रह किया गया, जिसमें मुख्य रूप से जनगणना में पिछड़ा वर्ग की जातियों को शीघ्र गणना कर उसके अनुपात में जनकल्याणकारी योजनाओं को बनाने की मांग प्रमुख थी। ओबीसी महासभा एक गैर राजनीतिक सामाजिक संगठन है, जो पिछड़ा वर्ग के हित संरक्षण के लिए सदैव अग्र पंक्ति में दिखाई देता है। इसके पदाधिकारी एवं सदस्य निस्वार्थ सेवा भाव के लिए जाने जाते हैं तथा शासन से मांग हैं कि 23 सूत्रीय मांग को त्वरित क्रियान्वित करें और देश की आधी आबादी को उनका हक दिलाएं।

महाप्रभु जगन्नाथ को लगा अमनिया का पहला भोग

जगदलपुर, 28 जून (देशबन्धु)। शताब्दियों से रियासतकालीन परंपरा अनुसार भगवान जगन्नाथ को अमनिया भोग का अर्पण 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के 14 क्षेत्रिय समितियों में विभक्त 104 से अधिक ग्रामों में निवासरत 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के परिवारों द्वारा लागाया जाता है। बस्तर गोंचा पर्व में 28 जून से अमनिया भोग शुरू हो गया है। आगामी 5 जुलाई तक प्रतिदिन भोग पश्चात श्रद्धालुओं में वितरण किया जाएगा। पहले दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु, जगन्नाथ के भात का भोग प्रसाद लेने पहुंचें। श्री मंदिर के बाहर भगवान जगन्नाथ स्वामी गुंडिचा मंदिर-सिरहासार



भवन में स्थापित है। गुंडिचा मंदिर में बाहुड़ा गोंचा पूजा विधान 5 जुलाई तक यहां श्रद्धालु

भगवान के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग गुंडिचा

प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, प्रोफाइल की पूर्णता की जानकारी, क्रेता-विक्रेता

मूल्यांकन छूट की जानकारी, ऑनबोर्डिंग सेवा प्रदाता की जानकारी, प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रदान की गई व क्रेता एवं विक्रेता पक्ष को पोर्टल में आ रही समस्याओं का भी निराकरण किए जाने संबंधी उपायों की भी जानकारी प्रशिक्षण में दी गयी। कार्यशाला में कोण्डागांव, नारायणपुर, बीजापुर एवं कांकिर के महाप्रबंधक उद्योग और संभाग के विभिन्न विभागों के अधिकारी- कर्मचारी >>> शेष पृष्ठ 9 पर >>

मंदिर-सिरहासार भवन में सत्यनारायण कथा के श्रावण की शताब्दियों पुरानी परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है। पहले दिन सोमवार को 18 परिवारों ने सत्यनारायण कथा श्रृणुण कर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया। 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डे ने बताया कि भगवान जगन्नाथ स्वामी श्री मंदिर से रथारूढ़ होकर जनकपुरी गुंडिचा मंदिर सिरहासार भवन में पहुंचने के बाद अमनिया भोग लगाए जाने की 618 वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन किया जाता है। अमनिया भोग का शाब्दिक अर्थ है, शुद्ध, स्वच्छ, अश्रुता, निर्मल अथवा अमृत समान भोग >>> शेष पृष्ठ 9 पर >>



जगदलपुर। सांसद महेश कश्यप की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई और ट्रैफिक समस्या के समाधान हेतु कई प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, नगर निगम के सभापति खेमसिंह देवांगन, कलेक्टर हरिस एस, सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत गोलावण्ड में शिविर

अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने में कारगर साबित हो रही धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष योजना: केदार कश्यप

कोण्डगांव 28 जून (देशबन्धु)। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं से जनजातीय परिवारों को लाभान्वित किये जाने हेतु जिले के सभी विकास खंड में क्लस्टर स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 27 जून को कोण्डगांव विकास खण्ड के ग्राम गोलावण्ड में आयोजित शिविर में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उक्त शिविर में गोलावंड, कारसिंग, कुसमा, कचोरा, इसलनगर, चमई, हंगवा, तोतर, बोरगांव, झारा, पोलंग, खंडाम, खचगांव, बालासार, मड़ानार और नगरी गांव के ग्रामीणजन सम्मिलित होकर अपनी समस्याएं बताईं।

शिविर को संबोधित करते हुए वन मंत्री ने कहा कि जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुण्डा के नाम से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत की गई, जिसके माध्यम से



केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनजातीय ग्रामों में अंतिम व्यक्ति तक शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई इस अभियान से जनजातीय समाज के कल्याण के साथ ही गांव के उत्तरोत्तर प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार के योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ

पहुंचाया जा रहा है, ताकि कोई भी व्यक्ति वंचित न रह पाए। उन्होंने शिविर के माध्यम से सभी के आयुष्मान कार्ड और बुजुर्गों के वय वंदना कार्ड बनाने, सभी किसानों को प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही प्रधान मंत्री विश्वकर्मा योजना से जिले के शिल्पकारों को जोड़ने को कहा। कार्यक्रम

को पूर्व विधायक सेवकराम नेताम ने भी संबोधित किया।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड और 05 जन्मप्रमाण पत्र वितरित किए गए। कृषि विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को धान बीज और सहकारिता विभाग द्वारा 06 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण किया गया। इसी प्रकार शिक्षा विभाग द्वारा 06 विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र दिया गया। साथ ही वन विभाग द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 300 ग्रामीणों को पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में वन मंत्री ने सभी उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती यशोदा कश्यप व श्रीमती रामदेई नाग, जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती अनिता कोराम, उपाध्यक्ष टोमेन्द्र सिंह ठाकुर, दीपेश अरोरा सहित जनपद सदस्यगण एवं सरपंचगण उपस्थित थे।



महत्वपूर्ण है बड़बतर जामपारा में बना यह पुलिया

ग्राम पंचायत बड़बतर जामपारा के जिस सड़क पर यह पुलिया बना है, उससे कुल्वाडिही, पौढ़ापल, तितरवंड, गम्हरी पिटीसपाल, हरवेल, धामनपुरी, किबड़ा सहित अन्य गांवों तक पहुंचने के लिए उपयोग किया जाता है। यह पुलिया मुख्यालय विश्रामपुरी से बड़बतर को भी जोड़ती है और बड़बतर चौक केशकाल, विश्रामपुरी, रांधना और माकडी को जोड़ता है, शनिवार साप्ताहिक बाजार होने से दो पहिए से लेकर चार पहिया वाहनों की आवाजाही इस सड़क से होती है, जिससे वाहन चालकों को हमेशा परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

प्रयास नहीं कर रही है। वहीं जर्जर पुलिया कभी भी अचानक टूट जाने से होने वाले हादसे से जनधन की हानि होने की सम्भावना है।

पैरालीगल वालंटियर्स के एक दिवसीय मासिक प्रशिक्षण का आयोजन



कोण्डगांव 28 जून (देशबन्धु)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डगांव श्रीमती किरण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डगांव गायत्री साय की अध्यक्षता में जिला कोण्डगांव एवं जिला नारायणपुर के समस्त थाना में पदस्त पैरालीगल वालंटियर्स एवं समस्त लीगल एड कीनिक, प्रबंध कार्यालय का कार्यरत पैरालीगल वालंटियर्स का 27 जून को एक दिवसीय कार्यशाला/बैठक रखा गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, पीएलव्ही की क्षमता वृद्धि विधिक सेवाओं की पहुंच और न्याय तक सबकी समान पहुंच सुनिश्चित करना नालसा द्वारा 'संचालित जागृति, डान, संवाद, आवाज उठाओ, नालसा/30' के संबंध में ग्रामीण स्तरों एवं अंदरूनी स्तर तक प्रचार-प्रसार कर उनकी सहायता करना रहा। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अधिकार मित्रों को

संबोधित करते हुए कहा कि पीएलव्ही समाज के उन अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने में सेतु का कार्य करते हैं, जिन्हें विधिक जानकारी या सहायता की आवश्यकता होती है, यह कार्य सेवा और समर्पण का परिचायक होता है। साथ ही सचिव ने अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से व्यापक रूप से विधिक जागरूकता शिविर आयोजन करने का निर्देश दिया गया तथा नालसा एवं सालसा के समस्त योजनाओं से आमजनों को लाभ दिलाने में मदद करते हुए, उन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रचार करने, विशेष दिवसों पर अनिवार्य रूप सामुदायिक स्तरों, ग्राम पंचायतों एवं हाट बाजारों में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने हेतु समस्त पैरालीगल वालंटियर्स को निर्देशित किया गया। ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय पाने से वंचित न रहे। इस अवसर पर सुरेन्द्र कुमार भट्ट प्रतिधारक अधिवक्ता समस्त पैरालीगल वालंटियर उपस्थित थे।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला छड़िया में मनाया गया मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा कार्यक्रम

खरोरा, 28 जून (देशबन्धु)। विकासखंड तिल्दा नेवरा के संकुल केंद्र पचरी अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला छड़िया में मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत सुरक्षित शनिवार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को डायरिया जैसे संक्रामक रोग की रोकथाम एवं सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान के.आर.एस. धोल के उपयोग, उसकी विधि एवं महत्व को सरल भाषा में समझाया गया। बच्चों को यह भी बताया गया कि गर्मी एवं बरसात के मौसम में किस प्रकार स्वच्छता और पोषण के माध्यम से बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। इस जागरूकता कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के प्रधान पाठक धीरेंद्र कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में हुआ।

शाला प्रवेशोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम

वितरित किया गया पाठ्य-पुस्तक, गणवेश, खेल सामग्री, जाति प्रमाण पत्र, द्रायसिकल, श्रवण यंत्र, पौधे

कोण्डगांव 28 जून (देशबन्धु)। मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामदेई नाग व कार्यक्रम अध्यक्ष जनपद पंचायत अध्यक्ष अनिता कोराम की उपस्थिति में कोण्डगांव विकास खंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय दहिकोंगा में किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष टोमेन्द्र सिंह ठाकुर, जनपद पंचायत की सदस्य मोमबती बघेल, संतोष पात्रे, प्रेम सिंह नाग, लूभा सिंह नाग पूर्व जिला पंचायत सदस्य, प्रेम नेताम सरपंच दहिकोंगा, गायधाम कश्यप सरपंच सुकुपीपल, संदीपती चंदेल सरपंच माकडी, सकौला पोयम सरपंच बनियागांव, उपसरपंच मनोज देहारी एवं मीना कश्यप, भारती प्रधान जिला शिक्षा अधिकारी, मनोज दूबे विकास खंड शिक्षा अधिकारी सम्मिलित हुए।



कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण करके एवं समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। पूर्व माध्यमिक शाला दहिकोंगा, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय दहिकोंगा एवं उच्च प्राथमिक शाला पुसावण्ड के विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने नवप्रवेशी बच्चों को उत्साहपूर्वक तिलक लगाकर एवं मिष्ठान खिलाकर उनका स्वागत

किया और निःशुल्क गणवेश, पाठ्य-पुस्तक, जाति प्रमाण पत्र, समावेशी शिक्षा अन्तर्गत दिव्यांग बच्चों को द्रायसिकल, वाकर, व्हील चेयर, एम आर कोट, लो विज़न कोट, श्रवण यंत्र, विद्यालय स्तर पर खेल सामग्री, 'एक वृक्ष मां के नाम' के तहत 450 बच्चों को पौधा वितरण, बोर्ड परीक्षा 5 वीं, 8 वीं, 10 वीं एवं 12 वीं के प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों का सम्मान, राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में

विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के अतिथि प्रेमसिंह नाग, अनिता कोराम एवं टोमेन्द्र सिंह ठाकुर ने अपने उद्बोधन में बच्चों को नवीन शिक्षण सत्र में प्रवेश की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मेहनत एवं लगन से पढ़ाई करने की आवश्यकता है। बच्चों अपने शिक्षकों का सम्मान करें उनके मार्गदर्शन मेहनत के साथ पढ़ाई करते हुए अपने स्कूल, परिवार और जिले का नाम रोशन करें। अतिथियों ने विज्ञान प्रदर्शनी, नवाचार एवं कबाड से जुगाड़ पर आधारित मॉडल का निरीक्षण किया एवं 'एक पेड़ मां के नाम' मिशन में शामिल होकर वृक्षारोपण का कार्य किया। कार्यक्रम के अंत में नेवता भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी अतिथियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, संकुल समन्वयकों एवं पालकगणों ने भोजन ग्रहण किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा

अधिकारी श्रीमती भारती प्रधान, विकास खंड शिक्षा अधिकारी मनोज दुबे, सहायक जिला परियोजना अधिकारी शोला शार्दूल, खंड स्त्रोत समन्वयक मालती ध्रुव, सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी इरशाद अंसारी, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय दहिकोंगा के प्राचार्य त्रिनाथ प्रसाद जोशी प्राचार्य, व्यायाम शिक्षक ऋषदेव सिंह, बीआरपी अशोक साहू, निर्मल शार्दूल, साक्षरता बीपीओ डी.एस.पोटाई, राज्य पुरस्कृत शिक्षक पवन साहू, संकुल समन्वयक रविंद्र नेताम, राजू राम दीवान, रामराम सिंह, मयाराम उसरे, बलदेई दास, बृजलाल कोराम, अमलेश बारेल, कमलेश्वर कमेटी, आसमन सोडी, काशीनाथ पांडे, जम्बर डहरिया सहित समस्त संकुल समन्वयक, सेजस के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं सहित स्थानीय जनप्रतिनिधगण और बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और शिक्षकगण उपस्थित थे।

कृषि केंद्रों में बीज एवं खाद की जांच, नियमों के उल्लंघन पर नोटिस



कोण्डगांव 28 जून (देशबन्धु)। कोण्डगांव कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निदेशानुसार जिले में अमानक बीज एवं खाद की बिक्री पर निगरानी और रोकथाम हेतु कृषि विभाग की टीम द्वारा कोण्डगांव स्थित अम्बिका कृषि संसार एवं प्रयाग कृषि केंद्र का निरीक्षण किया गया। कृषि विभाग के उप संचालक डी.पी.टांडे ने बताया कि निरीक्षण

के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों के प ी स आ व श य क लाइसेंस तो मौजूद थे, किंतु मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं थी तथा स्टॉक

रजिस्टर का संधारण अद्यतन रूप में नहीं पाया गया। नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए दोनों केंद्रों को नोटिस जारी कर तीन दिवस के भीतर संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समयावधि में उत्तर प्राप्त न होने या उत्तर असंतोषजनक पाए जाने की स्थिति में संबंधित दुकानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इंग्लिश मीडियम स्कूल भवन में अधूरा, शिक्षकों की भारी कमी- पालकों में नाराजगी

◆ कलेक्टर को सौंपेंगे ज्ञापन, सोमवार को

कोण्डगांव 28 जून (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय कोण्डगांव में संचालित शासकीय इंग्लिश मीडियम प्राथमिक शाला ब्लॉक कॉलोनी कोण्डगांव का भवन निर्माण कार्य अधूरा होने के साथ-साथ शिक्षकों की कमी को लेकर पालकों, शाला प्रबंधन समिति एवं एमसी सदस्यों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में पिकाविद डीएस साहू, धन्सराज टण्डन सहित अन्य कई पालकों ने चिंता जताया कि विद्यालय का पुनरा भवन अत्यंत जर्जर अवस्था में है और नया भवन वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है।

डीएस साहू ने बताया कि लगातार आवेदन देखर निवेदन करने के बावजूद निर्माण कार्य



पूर्ण नहीं हो सका है। वर्तमान में 100 से अधिक विद्यार्थीगण विद्यालय में अध्ययनरत हैं और प्रवेश प्रक्रिया जारी है। अनुमान है कि यह संख्या जल्द ही 250 पार कर सकती है।

बारिश के दिनों में जर्जर भवन में बच्चों को पढ़ाई कराना न केवल असुविधाजनक है, बल्कि उनकी सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करना है। पालकों ने यह भी शिकायत की है कि

अंग्रेजी माध्यम के लिए पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो पाई है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। पालकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द निर्माणाधीन भवन के निर्माण कार्य को पूरा कराया जाए और अंग्रेजी माध्यम के विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की जाए, जिससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिल सके।

रूद्र चंडी यज्ञ कराने असम से पहुंचे वैदिक पंडित

जगदलपुर, 28 जून (देशबन्धु)। मोतीतालाब पारा स्थित छिंदवाली महाकाली मंदिर में सात दिवसीय रूद्र चंडी किया गया है। इसके लिए विशेष तौर पर असम से आमंत्रित 10 वैदिक पंडित अनुष्ठान संपन्न करा रहे हैं। यह अनुष्ठान 3 जुलाई तक चलेगा और आमंत्रित पंडित प्रतिदिन लगभग 8 घंटे वेदों की ऋचाओं का पाठ कर रहे हैं। बताते चले कि यह अनुष्ठान मां छिंदवाली महाकाली मंदिर समिति द्वारा तालाब पारा स्थित मां महाकाली मंदिर में 27 जून से 3 जुलाई तक रूद्र चंडी महायज्ञ आयोजित किया गया है। इस अनुष्ठान के लिए गुवाहाटी असम से वैदिक मंत्रोच्चार करने वाले 10 पंडितों को आमंत्रित किया गया है।

प्रतिदिन 11:36 से लेकर रात 8 बजे तक यह पंडित अनुष्ठान और हवन के संपन्न करा रहे हैं। संपूर्ण अनुष्ठान यज्ञ वैदिक आचार्य पं. हेमंत शर्मा और असम से आमंत्रित 10 पंडित दयाराम कटेल, अनुप शर्मा, गोविन्द घिमिरे, हरि घिमिरे, धनश्याम घिमिरे, हरेकृष्ण शर्मा, लखन दास, जय प्रकाश, हिरथ शर्मा,प्रियवर शर्मा के द्वारा विधि विधान से संपन्न हो रहा है। इस पंच कुंडीय रूद्र चंडी महायज्ञ के मुख्य यजमान भूपेश बघेल पूर्व मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन, राजेंद्र धीवर जिला पंचायत सदस्य बिलासपुर, हरि शंकर निषाद जिला पंचायत सदस्य रायपुर, तथा जगदलपुर के नितिन तिवारी, पुष्कराज राठी, डॉ. व्हीएल सोनी, वैदिक चंदन कारिया, हरीश साहू और श्रीमती विजयलक्ष्मी वर्मा हैं।

रासायनिक खादों की कालाबाजारी बर्दास्त नहीं : केदार

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में डीएपी खाद की कमी को देखते हुए प्रदेश में डीएपी खाद की पर्याप्त सप्लाई नहीं हो पा रही है तो डीएपी के वैकल्पिक खादों के प्रति किसानों को जागरूक करें और जो वैकल्पिक खाद उपलब्ध है किसानों को दिया जाए। उन्होंने बैठक में कहा कि किसानों को सहूलियतें प्रदान करना हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है। मंत्री केदार कश्यप आज अपने नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में सहकारिता और उर्वरक कंपनियों के अधिकारियों की बैठक में किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित बनाए रखने के संबंध में समीक्षा कर रहे थे।

सहकारिता मंत्री कश्यप ने कहा कि रासायनिक खाद की कालाबाजारी बर्दास्त नहीं की जाएगी। ऐसे गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों व केन्द्र संचालकों के ऊपर कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने सहकारिता विभाग के



सहकारी समितियों में खाद का हो पर्याप्त भण्डारण

अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में 2058 की आपूर्ति के संबंध में कंपनी के प्रतिनिधियों से समन्वय कर सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद का भण्डारण हो और किसानों की मांग के अनुरूप खाद मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी के छिड़काव के प्रति भी किसानों को जागरूक करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डीएपी खाद

किसानों को मांग के अनुरूप मिले रासायनिक खाद

खाद सप्लाई के लिए विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में डीएपी खाद सप्लाई की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025 के लिए किसानों के मांग के अनुरूप विभाग 10.73 लाख मीट्रिक टन रासायनिक

खाद का लक्ष्य निर्धारित किया है। लक्ष्य के विरुद्ध 5.85 लाख मीट्रिक टन का भण्डारण किया जा चुका है तथा किसानों को 4.37 लाख मीट्रिक टन खाद वितरित किए जा चुके हैं। वर्तमान में समितियों में 1.18 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है। अधिकारियों ने बताया कि डीएपी का लक्ष्य 78 हजार 331 मीट्रिक टन है। इसके विरुद्ध अब तक 75 हजार 428 मीट्रिक टन डीएपी का भण्डारण किया जाकर किसानों को 61 हजार 137 मीट्रिक टन खाद वितरण किया जा चुका है। समितियों में 14 हजार 291 मीट्रिक टन डीएपी खाद शेष है। डीएपी खाद की कमी के कारण एनपीके का लक्ष्य बढ़कर 3 लाख 16 हजार मीट्रिक टन हो गया है। लक्ष्य के विरुद्ध 93 हजार 467 मीट्रिक टन एनपीके का भण्डारण किया जाकर किसानों को 74 हजार 545 मीट्रिक टन एनपीके खाद का वितरण किया जा चुका है। समितियों में 18 हजार 922 मीट्रिक टन एनपीके शेष है। ज्यादा से ज्यादा एनपीके के सप्लाई के लिए कंपनियों के साथ निरंतर समन्वय किया जा रहा है।

खौली में शराब दूकान विरोधी धरना चौथे दिन महिलाओं ने संभाला मोर्चा

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। ग्राम खौली में खुलने जा रहे शराब दूकान के विरुद्ध जारी धरना चौथे दिन शनिवार को महिलाओं ने मोर्चा संभाला। ग्राम खौली के महिलाओं सहित आसपास के ग्रामों के महिलाओं ने इसमें शिरकत की और शासन - प्रशासन को समय रहते चेत जाने का आग्रह किया। इधर ग्राम पत्तौद में भी ग्रामीण सभा व पंचायत की आहूत बैठक में शराब दूकान न खुलने देने का निर्णय लिया गया है व? इस संबंध में वे कल क्षेत्रीय सांसद व विधायक से मुलाकात करेंगे।

ज रायपुर जिले में शासन ने 7 शराब दूकान खोलने का निर्णय ले



राज्यपाल के नाम जिलाधीश को ज्ञापन सौंपने का निर्णय

चयनित ग्रामों के इच्छुक ग्रामीणों से जगह मुहैया कराने आसन्न 2 जुलाई तक निविदा आमंत्रित की है। इन 7 में से 5 दूकान आरंग विधानसभा क्षेत्र में ?खुलने जा रहा है जिसमें खौली व? पत्तौद भी शामिल है। शराब दूकान खुलने के सुगबुगाहट के समय से ?ही खौली वासी इसके विरोध में उतर आये थे और एकदिनी धरना - प्रदर्शन

हेतु जगह मुहैया कराने निविदा आमंत्रित किये जाने से खौली के ग्रामीणों का आक्रोश एक बार फिर उभर आया है और वे बीते 25 जून से धरना - प्रदर्शन कर रहे हैं जिसे की भड़्री से प्रभावित होने वाले ग्रामों के ग्रामीणों का भी समर्थन मिल रहा है। आज शुक्रवार को खौली में आहूत ग्रामीणों की बैठक में एक बार फिर किसी भी कीमत में शराब दूकान न ?खुलने देने का संकल्प दुहराया गया व जगह मुहैया न कराने ताकीद करने के साथ - साथ ?ग्रामीण फरमान का अवहेलना करने वाले पर ?ग्रामीण व्यवस्था के तहत कार्यवाही झेलने तैयार रहने के प्रति आगाह किया गया व निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 2 जुलाई के ठीक एक दिन पूर्व ग्रामीणों द्वारा राज्यपाल के नाम जिलाधीश की ?ज्ञापन सौंपने

गजानन मंदिर में आज निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। संत श्री गजानन महाराज मंदिर तात्यापारा रायपुर में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र तथा समर्पण हॉस्पिटल एवं मेडिकेयर नी जॉइंट हॉस्पिटल एवं गजानन महाराज मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार दिनांक 29 जून को प्रातः 10 बजे से मंदिर परिसर में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में डॉ. गंभीर सिंह (शल्य चिकित्सक), डॉ. मंजू सिंह (स्नन कैसर विशेषज्ञ), डॉ. सुमी अग्रवाल (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. संजय नाहर (हड्डी रोग विशेषज्ञ) तथा डॉ. नवीन गुप्ता (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ. संतोष कुमार. एमएस (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ. सी. रेड्डी. एमएस (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ प्रभात पांडे (हड्डी रोग विशेषज्ञ), शैलेषा खंडेलवाल (जनरल फिजिशियन) तथा डॉ. प्रतीक शर्मा. (जनरल फिजिशियन) पंजीकृत मरीजों को परामर्श देने उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक परामर्श व फिजियोथैरेपिस्ट भी मौजूद रहेंगे। शिविर में ब्लड शुगर टेस्ट, ब्लड प्रेशर, ग्लाइकोसीलेटेड हीमोग्लोबिन (।Hb1c), घुटने का एक्सरे जैसी सुविधाएं निशुल्क प्रदान की जाएगी।

गर्मी में पहले आता था 8 हजार रुपए का भारी भरकम बिल, इस बार एक भी रुपए नहीं चुकाना पड़ा अतुल को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से सोलर पैनल लगावा लिया और अब गर्मी में बिजली बिल हुआ जीरो

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। जिससे लागत बेहद कम हो गई और बिजली उत्पादन की प्रक्रिया जल्द शुरू हो गई। पहले हर गर्मी में बिजली का बिल 7,000 से 8,000 रुपए तक आता था। लेकिन इस बार मेरा पूरा बिल 'शून्य' आया है, ज तिवारी ने उत्साह से बताया। अब उनके घर में बिजली निरंतर और मुफ्त मिल रही है। सिर्फ उनका बिजली खर्च ही नहीं घटा है, बल्कि अब उन्होंने ग्रीन एनर्जी की ओर कदम भी बढ़ाया है। वे कहते हैं, 'च्यह योजना गर्मी के मौसम में किसी वरदान से कम नहीं है।' ज बिजली की निर्बाध आपूर्ति से उनका परिवार न केवल आरामदायक



मिल रही है। सिर्फ उनका बिजली खर्च ही नहीं घटा है, बल्कि अब उन्होंने ग्रीन एनर्जी की ओर कदम भी बढ़ाया है। वे कहते हैं, 'च्यह योजना गर्मी के मौसम में किसी वरदान से कम नहीं है।' ज बिजली की निर्बाध आपूर्ति से उनका परिवार न केवल आरामदायक

जीवन जी रहा है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा बचत में भी भागीदार बन चुका है। अब अन्य लोग भी अपने छतों में सोलर पैनल लगा रहे हैं और योजना का लाभ उठा रहे हैं। तिवारी ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सॉब्सिडी विष्णु देव साय का हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा- 'च्यह योजना केवल आज की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का मजबूत आधार है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत शासन द्वारा उपभोक्ताओं को अपने घरों की छतों पर सोलर प्लाण्ट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिससे उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई हो जाती है। इससे उपभोक्ता के घर का बिजली बिल शून्य

ग्रीन आर्मी ने पॉलीथिन मुक्त के लिए शीतला बाजार में जन जागरूकता रैली निकाली



रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ ने आज शीतला बाजार, पुरानी बस्ती में एक व्यापक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया। यह रैली बूढ़ा गार्डन गेट से शुरू होकर, बुद्धेश्वर मंदिर और पूरे बाजार से होते हुए, महामाया मंदिर से वापस बूढ़ा गार्डन गेट पर समाप्त हुई। जिसका उद्देश्य क्षेत्र को पॉलीथिन मुक्त बनाने के लिए स्थानीय समुदाय को प्रेरित करना था। प्रकृति के लिए हानिकारक पॉलीथिन के खिलाफ मुखर होते हुए, रैली में चक्रवर्ति दुश्मन तीन - पाउच, पन्नी, पॉलीथिनज, च्यॉलीथिन जहर है, पृथ्वी पर कहर हैज, और च्यौ माता करे पुकार, पॉलीथिन मुक्त हो संसारजज जैसे

नारों ने राहगीरों, व्यापारियों और आसपास के निवासियों का ध्यान आकर्षित किया। संस्था द्वारा मार्मिक अपील वाले पैंफ्लेट भी वितरित किए गए, और साथ ही दुकानदारों एवं खरीदारों को 200 से अधिक पेपर के थैले भी वितरित किए गए। इस महत्वपूर्ण पहल में छत्रपति शिवाजी इंग्लिश मीडियम स्कूल के बच्चों ने भी

उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो पॉलीथिन मुक्ति के संदेश को फैलाने में ग्रीन आर्मी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले। बच्चों की उपस्थिति ने अभियान को और भी सशक्त बना दिया। ज्ञात हो कि ग्रीन आर्मी संस्था कुछ वर्षों पहले भी रायपुर के प्रत्येक बाजार में ऐसे सफल अभियान चला चुकी है। अपने अनुभव और समर्पण के

शिक्षाविद व प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर विजय चोपड़ा का प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने किया अभिनन्दन

अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने कहा 30 वर्षों तक शिक्षा की अलख जगाने का सम्मान है

रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने समारोह पूर्वक शिक्षाविद व प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर श्री विजय चोपड़ा का अभिनन्दन किया। जे डी डांग स्कूल में आयोजित समारोह में विगत 30 वर्षों से अनवरत शिक्षा के क्षेत्र में किये गए योगदान के मद्देनजर श्री चोपड़ा का सम्मान किया गया। ज्ञात हो कि विगत 30 वर्षों से विजय चोपड़ा जैन समाज द्वारा निर्धन तबके के लिए संचालित श्री आदिश्वर जैन कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। साथ ही विजय चोपड़ा वर्द्धमान इंग्लिश मीडियम स्कूल सदर बाजार व वर्द्धमान दी स्कूल के संस्थापक हैं व सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। श्री चोपड़ा ने अनेक वर्षों तक सर्वोदय विद्या



मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बूढ़ापारा एवं सन्तोषीनगर में भी अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अभिनन्दन समारोह में छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने कहा कि एसोसिएशन के संस्थापक सदस्यों में एक विजय चोपड़ा का जीवन बच्चों में शिक्षा की अलख जगाने में समर्पित रहा है। चोपड़ा ने विगत 30 वर्षों में प्रारंभ से ही विपरीत परिस्थितियों

में वंचित बच्चों को शिक्षा देने उल्लेखनीय योगदान दिया है। चोपड़ा का अभिनन्दन शिक्षा के क्षेत्र में व मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में उनके योगदान का सम्मान है। समारोह में छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता, महासचिव मोती जैन, उपाध्यक्ष मनीष डागा, संस्थापक सदस्य अशोक शिवहरे सहित सदस्यगण, शिक्षक व छात्रगण उपस्थित थे।

निधन

नरसिंह ताम्रकार
नवापारा राजिम ,28 जून देशबंधु । ग्राम मन्दलोर के नरसिंह ताम्रकार 89 वर्षीय का निधन दिनांक 27 जुन को हो गया है। उनका हाल

निवास लीली चौक पुरानी बस्ती रायपुर में था । वे संजय अजय राजेश व हितेंद्र ताम्रकार के पिता थे। पूर्व कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहू ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि नरसिंह दाऊ एक सफल और सम्पन्न कृषक के साथ एक निष्ठावान जनसंधी कार्यकर्ता थे। अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के विस्तार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके साथ लम्बे समय तक कार्य करने का मुझे अवसर मिला है जिसे भुलाए नहीं भूला जा सकता । उनका जाना हम सबके लिए अपुर्णीय क्षति है। ईश्वर सद्गति प्रदान करें।

अमित बैद*
हनुमान नगर रायपुर निवासी अमित बैद सुपुत्र छगन लाल बैद का दुखद निधन शुक्रवार

27/06/2025 को प्रातः 3.30 बजे हो गया है। वे छगन लाल बैद के पुत्र, खेमराज का भतीजा, नीरज, रोहित, राहुल, ऋषभ बैद के भाई थे उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार साय 4 बजे मारवाड़ी श्मशान घाट मे किया गया.

भवानी प्रसाद शर्मा
भिलाई, 28जून(देशबन्धु)। कल्याण महाविद्यालय की सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो भवानी प्रसाद शर्मा (संडी वाले) का आज 89 वर्ष आयु में निधन हो गया है

द्य वे उर्वशी शर्मा के पति, आशीष शर्मा, स्मृति गौरहा व प्रीति शर्मा के पिता तथा पुत्रवधु स्वर्निता शर्मा एवम् ब्रजेश गौरहा व प्रदीप शर्मा के ससुर थे द्य उनकी अंतिम यात्रा हरनाबांधा (दुर्ग) मुक्तिधाम के लिए उनके प्रोफेसर कॉलोनी (नेहरूनगर) प्लॉट नंबर-15 स्थित निवास से रविवार, 29 जून को प्रातः 10 बजे निकलेगी ।

टी गोल्ड जिम का उदघाटन विधायक सुनील सोनी ने किया



रायपुर, 28 जून (देशबन्धु)। 27 जून को टी गोल्ड जिम अश्वनी नगर में दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के सुनील सोनी ने उदघाटन किया साथ में महंत लक्ष्मी नारायण वाई के पार्षद अम्बर शुक्ला और सुंदर नगर वाई के सरिता आकाश दुबे भी उदघाटन मे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। जिम के

उदघाटन के उपरांत सुनील सोनी को जिम के कोच मानिक ताम्रकार ने बताया जिम में वेट लिफ्टिंग सीखने के लिए महिलाओं को निशुल्क ट्रेनिंग दिया जाएगा साथ ही महिला स्टेट और नेशनल बांडी बिल्डर के लिए जिम निशुल्क रहेगा। विकलांग महिला पुरुष भी निःशुल्क जिम कर सकते हैं।

व्रतानां श्रीजगन्नाथ
 6 एवं सेन्टर 4
 श्रद्धालुओं ने
 नगर विधायक
 महापौर नीरज
 श्रीजगन्नाथ, भाई
 पूजा, अर्चना की
 स्थित रथे। रथ
 सांस्कृतिक मंडल
 श्रद्धालुओं की
 संस्थाओं और सुखा
 था। भव्य रथ
 तर्तन और लोक
 रही। विभिन
 ने जगह जगह
 भंडारा, प्रसाद वितरण और स्वागत द्वार की व्यवस्था
 की। पूरा माह पुष्प वर्षा से सुसज्जित किया गया था
 जिससे माहौल और भी भक्तिमय हो गया। विधाया
 देवेंद्र यादव ने कहा कि रथ यात्रा केवल धार्मिक
 आयोजन नहीं बल्कि सामाजिक एकता, शांति और
 सद्भावना का प्रतीक है। यह आयोजन भिलाई नगर की
 धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रमाण है
 रथ यात्रा ने लोगों में भक्ति, सेवा और परस्पर सहयोग
 की भावना को प्रबल किया। आयोजन की सफलता में
 प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर निगम, स्वयंसेवी
 संस्थाओं और नागरिकों का विशेष योगदान रहा।
 समाप्ति पर आरती और महाप्रसाद वितरण के साथ रथ
 यात्रा का आयोजन किया गया। भिलाई वासियों के लिए
 यह दिन सामाजिक ऊर्जा और सामाजिक समरसता से
 परिपूर्ण रहा।

A portrait of a woman with dark hair, wearing a pink and yellow sari. She has a bindi on her forehead and her hands are pressed together in a prayer position (Anjali Mudra). She is smiling slightly.

